रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 302] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 23, 2004/पौष 2, 1926

No. 302] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 23, 2004/PAUSA 2, 1926

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 2004

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 2004

सं. 3/6/2004-पब्लिक .—भारत सरकार को यह सूचित करते हुए अत्यन्त खेद है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हाराव का 23 दिसम्बर, 2004 को 1410 बजे निधन हो गया है।

धीरेन्द्र सिंह, सचिव

No. 3/6/2004-Public.—The Government of India announce, with most profound sorrow, the death of Shri P.V. Narasimha Rao, Former Prime Minister of India at 1410 hours on 23rd December, 2004 at New Delhi.

DHIRENDRA SINGH, Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 2004

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 2004

निधन सूचना

सं. 3/6/2004-**पब्लिक** .—भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हाराव का बृहस्पतिवार, 23 दिसम्बर, 2004 को 1410 बजे निधन हो गया।

श्री पी.वी. नरसिम्हाराव के निधन पर देश ने एक लोकप्रिय नेता, वरिष्ठ राजनयिक और जाने-माने स्वतंत्रता सेनानी खो दिया है। उन्होंने पूरी निष्ठा, विश्वास और उत्साह के साथ सरकार की अगुवाई की। उन्होंने पांच दशकों तक देश के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान बनाए रखा। श्री पी.वी. नरसिम्हाराव का जन्म श्रीमती एवं श्री पी. रंगाराव के घर में करीमनगर, आंध्र प्रदेश में 28 जून, 1921 को हुआ। उन्होंने हैदराबाद, पुणे और नागपुर में शिक्षा प्राप्त की जहां उन्होंने बी.एससी. और एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं। उनका राजनैतिक जीवन 1938 में उस समय शुरू हुआ जब उन्होंने अपने कालेज में वन्दे मातरम् गाए जाने पर निजाम सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबन्ध का विरोध किया। बाद में श्री राव ने वकालत शुरू की लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया और भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। 1957 में आपको मंथानी निर्वाचन क्षेत्र से आंध्र प्रदेश विधान सभा का सदस्य चुना गया। उन्होंने 20 वर्ष तक इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 1971 में मुख्यमंत्री बनने से पहले वे राज्य में अनेक मंत्री पदों पर रहे। उनको 1977 में लोक सभा के लिए चुना गया। तत्पश्चात् वे विदेश मंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्री रहे। मई, 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद श्री राव प्रधानमंत्री बने। वे 1991 से 1996 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।

प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरसिम्हाराव को राष्ट्र के प्रति उनकी समर्पित सेवा तथा आर्थिक सुधारों और उदारीकरण के क्षेत्र में उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव आम आदमी के उत्थान के लिए काम किया।

श्री पी.वी. नरसिम्हाराव एक राजनीतिज्ञ, विद्वान और भाषाविद् थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री नरसिम्हाराव ने हमारे राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। संगीत और कला के प्रति उनके लगाव और संवेदना ने उन्हें अतिविशिष्ट मानवों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है। एक आदर्श राजनैतिक मिजाज के धनी श्री राव की बुद्धिमत्ता और नि:स्वार्थ भावना ने सबको प्रभावित किया है। उन्हें भारतीय दर्शन तथा संस्कृति, उपन्यास-लेखन और राजनैतिक वार्ता, भाषाएं सीखने, तेलुगु और हिन्दी में कविता लिखने, और सामान्य तौर पर साहित्य की जानकारी रखने में विशेष रुचि रही है। उन्होंने यू.एस.ए. तथा जर्मनी में विभिन्न विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिए। वे एक सज्जन, सौम्य, विद्वान तथा दूरदर्शी व्यक्ति थे।

श्री पी.वी. नरसिम्हाराव को उनकी औजस्विता, देशभक्ति, दूरदृष्टि तथा राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

धीरेन्द्र सिंह, सचिव

OBITUARY

No. 3/6/2004-Public.—Shri P. V. Narasimha Rao, former Prime Minister, passed away on Thursday, the 23rd December, 2004 at 1410 hours.

In the death of Shri P. V. Narasimha Rao, the country has lost a popular leader, senior statesman and veteran freedom fighter who headed the Government with dedication, courage of conviction and missionary zeal. He held an important place in the country's political scene for over 5 decades.

Shri P. V. Narasimha Rao was born to Smt. & Shri P. Ranga Rao on June 28, 1921 in Karim Nagar in Andhra Pradesh. He was educated at Hyderabad, Pune and Nagpur where he took his B.Sc. and LL.B. degrees. His political baptism began in 1938 during a protest against the Nizam Government's ban on singing of Vande Mataram in his college. Shri Rao joined the bar but later gave up his legal practice and actively participated in the Quit India Movement. He was elected to the Andhra Pradesh Legislative Assembly in 1957 from Manthani constituency which he represented for the next 20 years. He held several ministerial posts in the State before becoming the Chief Minister in 1971. He was elected to the Lok Sabha in 1977. Subsequently he became Minister for External Affairs, Home, Defence and Human Resource Development. After Rajiv Gandhi's assassination in May, 1991, Shri Rao became the Prime Minister. He was President of the Indian National Congress from 1991 to 1996.

Shri P. V. Narasimha Rao will be remembered for his dedicated service to the Nation and for the leadership and guidance he provided as the Prime Minister in the economic reforms and liberalization. Throughout his long public life, he constantly strove for the betterment of the common man.

Shri P. V. Narasimha Rao was a statesman, scholar and linguist. A man of many interests, Shri Rao leaves his imprint in various areas of our national life. His sensitivity and love for music and the arts, marked him as an exceptional human being. Possessed of an ideal political temperament, Shri Rao's wisdom and detachment impressed one and all. He had special interest in Indian philosophy and culture, writing fiction and political commentary, learning languages, writing poetry in Telugu and Hindi, and keeping abreast of literature in general. He lectured at various Universities in the USA and Germany. He was a sophisticated, suave, scholarly and visionary leader.

For his undaunted spirit, patriotism, vision and steadfast devotion to the country, Shri P. V. Narasimha Rao will remain an inspiring memory to the nation.

DHIRENDRA SINGH, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.